

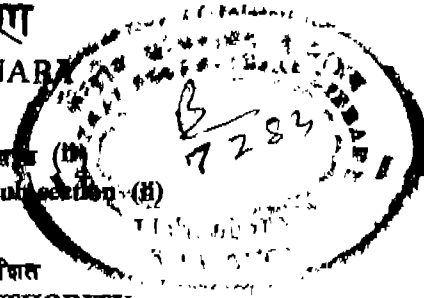


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 584] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 29, 1983/पाँच 8, 1905
No. 584] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 29, 1983/PAUSA 8, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1983

कां०आ० 935 (अ)/18कक/उ०वि०वि०अ/83 :—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कां०आ० 618 (अ)/18कक/उ०वि०वि०अ/79, तारीख 31 अक्टूबर, 1979 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) सचिव, नन्द और हर्षण उद्योग विभाग को जिसे अब सचिव, औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार, कलकत्ता कहा जाता है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है), मैसर्स श्री सरस्वती प्रेस लिमिटेड, 11, बॅरक-पुर ट्रेक रोड, बेलघारिया, कलकत्ता का (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) प्रबन्ध, 31

अक्टूबर, 1979 से तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था ;

और, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कां०आ० 768 (अ)/18कक/उ०वि०वि०अ/82, तारीख 30 अक्टूबर, 1982 सं० कां०आ० 347 (अ)/18कक/उ०वि०वि०अ/83, तारीख 30 अप्रैल, 1983 तथा कां०आ० 780 (अ)/18 कक/उ०वि०वि०अ/83, तारीख 29 अक्टूबर, 1983 द्वारा उक्त आदेश की अवधि को तारीख 31 दिसम्बर, 1983 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और बढ़ा दी गई थी ;

और, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उक्त प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा तारीख 30 जून, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए बना रहे ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 30 जून, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अर्वाध के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा० सं० 2(15)/79-सी०यू०एस०]

ए० पी० सरवान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 29th December, 1983

S.O. 935(E)|18AA|IDRA|83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 618(E)|18AA|IDRA|79 dated the 31st October, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised the Secretary, Closed and Sick Industries Department, now called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal, Calcutta (hereinafter referred to as the said authorised person) to take over the management of Messrs

Sree Saraswati Press Limited, 11, Barrackpore Trunk Road, Belgharia, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period of three years from the 31st October, 1979;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 768(E)|18AA|IDRA|82, dated the 30th October, 1982, S.O. 347(E)|18AA|IDRA|83, dated the 30th April, 1983 and S.O. 780(E)|18AA|IDRA|83, dated the 29th October, 1983, the duration of the said Order was extended for a further period upto and inclusive of 31st December, 1983;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said authorised person should continue for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1984.

[File No. 2(15)/79-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.